संपादकीय/Editorial

विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं कौशल शिक्षा के क्षेत्र में विश्व एक अभूतपूर्व परिवर्तन के युग से गुजर रहा है। इस परिवर्तन की विशेषता ज्ञान की बहुविषयी प्रकृति, अनुसंधान की गहराई, और समाज के सतत विकास में विज्ञान की बढ़ती भूमिका है। विज्ञान प्रकाश का यह अंक इस नवीन वैज्ञानिक चेतना का प्रतिनिधित्व करता है।

इस अंक में सम्मिलित अनुसंधान ऐसे विविध क्षेत्रों को स्पर्श करते हैं जैसे सामग्री विज्ञान, औद्योगिक नवाचार, पर्यावरण एवं जलवायु अध्ययन, जैव-विविधता, स्वास्थ्य एवं जीवन-विज्ञान, डिजिटल मूल्यांकन प्रणालियाँ, रोबोटिक एवं इलेक्ट्रिक तकनीक, वित्तीय प्रौद्योगिकी, कौशल एवं उच्च शिक्षा-विकास, तथा सामाजिक मानविकी के उभरते विमर्श। यह बहुविषयी विस्तार दर्शाता है कि ज्ञान का भविष्य अब परस्पर जुड़ी हुई शोध-धाराओं के साथ ही निर्मित होगा।

इस अंक में शामिल अनेक अध्ययन जैसे कौशल-आधारित शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की संभावनाएँ, पर्यटन-कौशल विकास, और वित्तीय प्रौद्योगिकी (FinTech) - यह दर्शाते हैं कि भविष्य की वैज्ञानिक प्रगति केवल तकनीक तक सीमित नहीं होगी, बल्कि मानव संसाधन के सुदृढ़ीकरण और नीति-निर्माण के साथ मिलकर एक समग्र विकास-मॉडल तैयार करेगी।

विज्ञान प्रकाश का उद्देश्य सदैव यही रहा है कि शोधकर्ताओं को एक ऐसा मंच दिया जाए जहाँ वे अपने कार्य को व्यापक वैज्ञानिक समुदाय तक पहुँचा सकें और ज्ञान-विमर्श को समृद्ध कर सकें। हमें विश्वास है कि यह अंक शोधार्थियों, शिक्षकों, नीति-निर्माताओं और विद्यार्थियों सभी के लिए समान रूप से उपयोगी सिद्ध होगा।

मैं विज्ञान प्रकाश के संपादकीय समिति की ओर से सभी लेखकों और समीक्षकों को उनके योगदान के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूँ। मैं श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय प्रशासन का भी आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने इस राष्ट्रीय सम्मेलन के माध्यम से हिंदी भाषा में शोध प्रस्तुति के लिये एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।

– प्रो. रणधीर सिंह राठौड़
अधिष्ठाता
श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय
पलवल, हरियाणा